

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

RNI : DELHIN/2006/19302

# एकरान इंडिया

वर्ष: 19 अंक: 39 पृष्ठ: 12

DL(N) /145/2021-23

राष्ट्रीय संस्करण

दिल्ली - हरियाणा - हिमाचल प्रदेश - उत्तराखण्ड



## दिल्ली हुई 'भगवामय'

दिल्ली विधानसभा में 27 साल बाद भाजपा को मिला स्पष्ट बहुमत



**टीम एकशन इंडिया**  
नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी ने सत्तास्थ़ आम आदामी पार्टी को करारी शिकंज देते हुए 48 सीटें जीती हैं। वहीं आम आदामी पार्टी के खिलाफ 22 सीटें अड़ इ हैं। दिल्ली की 70 सदस्यीय विधानसभा की 70 सीटों के नतीजे घोषित हो गए हैं। चुनावी नतीजों से स्पष्ट है कि भाजपा ने दिल्ली में अपने 27 साल का वनवास खत्म कर दिया है। भाजपा को भगवणना में 45.66 प्रतिशत, आम आदामी पार्टी को 43.52 प्रतिशत और कांग्रेस को 6.35 प्रतिशत मत मिले हैं। दिल्ली विधानसभा की कुल 70 सीटों में से 68 पर भाजपा ने अपने उम्मीदवार उतारे थे, जबकि दो सीटें अपने सहयोगी दलों के लिए छोड़ी थीं। भाजपा-नीत राजग के घटक दल जदू ने बुराही सीटों से ईशेन्द्र कुमार और लोजपा (रामविलास)

ने देवली सीट से दीपक तंवर को भैदान में उतारा था, लेकिन दोनों उम्मीदवार चुनाव हार गए। पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, पूर्व उप मुख्यमंत्री मंत्री सियोंदिया, पूर्व स्वास्थ्य मंत्री सत्येन्द्र जेन, कैबिनेट मंत्री सौरभ भारद्वाज, आप प्रवक्ता दुर्लेश पाटक, राखी बिडलान और सोमनाथ भरती चुनाव हार गए हैं। वहीं मुख्यमंत्री अविनिश्चय और कैबिनेट मंत्री गोपाल राय ने अपनी सीट बदल ली है। भाजपा के प्रवेश साहिब सिंह, सीनी उपाध्याय, बिजेन्द्र गुला, आम आदामी पार्टी से आप कैलाश गहलोत और अरविंद सिंह ललली, कांग्रेस से आए राजकुमार चौहान, मोहन सिंह विंध चुनाव जीत गए हैं। वहीं रमेश विधुड़ी कालकाजी सीट से हार गए हैं। भाजपा ने इन्हें अंतर से ये सीटें जीतीं- नेला से राज करन खत्ती (8596), तिमारपुर से सूर्य प्रकाश खत्ती (1168), आदामी नगर से राज कुमार भाटिया (11482), बादली से अहिर दोपक चौधरी (15163), रिटाला से कुलवंत राणा (29616), बवाना से विजेन्द्र इन्द्राज सिंह

### प्रचंड बहुमत

- कुल 70 में से 47 पर भाजपा जीती, एक पर आगे, आआपा को मिली 22 सीटें
- वर्ष 2020 के चुनाव के मुकाबले आप को 40 सीटों का हुआ घाटा

(31475), मुन्डका से गजेन्द्र दराल (10550), नांगलोई जट से मनोज कुमार शैकीन (26,251), मंगल पुरी से राज कुमार चौहान (6255), रोहिणी से विजेन्द्र गुला (37816), शालीमार बाजा से रेखा गुला (29595), शकू बर्ती से कर्सैल सिंह (20998), त्रिनगर से तिलक राम गुला (15,896), बजीपुर से पूर्व शर्मा (11425), माडल टाउन से अशोक गोवल (13415), मोती नगर से हरीश खुराना (11657), मारिपुर से कैलाश गंगवाल (10899), राजीरी गाँड़ी चौहान से मनजिंदर सिंह सिसास (18,190), हरि नगर से श्वाम शर्मा (6632), जनकपुरी से आशीष सूद (18766), उत्तम नगर से पवन शर्मा (29,740), द्वारका से प्रद्युम्न सिंह राजपूत (7829), मटिआल से सदीप सहवात (28,723), नजफगढ़ से कैलाश गहलोत (29,009), बिजवासन से कैलाश गहलोत (11,276), पालम से कुलदीप सोलेंकी (8952), राजिंद्र नगर से उमंग बजाज (1231), नई दिल्ली से प्रवेश साहिब सिंह चुनाव (4089), जंगपुरा से तरजिनदर सिंह मारवाह (675), कत्तूरुबा नगर से नीरज बैसोया (11048), मालवीय नगर से सीतीश उपाध्याय (2131), आकेपुर से अनिल कुमार शर्मा (2131), आकेपुर से अनिल कुमार शर्मा (14,453) को बीट मिला है।

केजरीवाल हारे दिल्ली चुनाव, आप के सामने खड़ा हुआ संकट



टीम एकशन इंडिया  
नई दिल्ली: दिल्ली विधानसभा चुनाव में केजरीवाल न सिर्फ हारे हैं, बल्कि वो अपनी पार्टी को भी सत्ता से बेदखल होने से नहीं रोक सके। 12 साल में अपनी पार्टी को जीमीन से आसामान तक पहुंचाने वाले केजरीवाल की हार उनके अपने राजनीतिक करियर ही नहीं बल्कि उनके पार्टी के अस्वत्त्व के लिए खत्ते की घंटी है।

भ्रात्याचार के खिलाफ आदिवासी से खड़े होकर केजरीवाल ने पार्टी बनाई और दिल्ली की सत्ता में प्रचंड बहुमत से 2015 और 2020 में कांबिज हुए। हालांकि इस दौरान उनकी राह आसान नहीं रही।

2014 से भी बड़ी है केजरीवाल की ये हार

2014 के लोकसभा चुनाव में उन्होंने वाराणसी से नंदेंद्र मोदी के खिलाफ चुनाव लड़ा। इस चुनाव से वे संकेत देना चाहते थे कि आम आदामी पार्टी देश के फलक पर एक बड़ी पहचान बनाने के लिए तैयार हैं। लेकिन वाराणसी की जनता ने उनको नकार दिया और यहां से उन्हें शिक्षित मिली।

हालांकि केजरीवाल दिल्ली की

जनता ने सर-अंगों पर बैठाया

और वे बार भारी जनदेश दिया।

हालांकि 2025 के चुनाव में

केजरीवाल जनता की नव्ज को नहीं पकड़ सके और उन्हें और उनकी पार्टी को करारी शिकस्त देनी पड़ी।

केजरीवाल के लिए परीक्षा की घंटी है यह समय

यह समय केजरीवाल के लिए एक बड़ी परीक्षा की घंटी है। इस समय उनके सामने सबसे बड़ी चुनावी अपनी पार्टी को एक जुट रखने की होगी। दिल्ली में अभी तक केजरीवाल लगभग सत्ता में ही रहे हैं और सरकार जाने के बाद पार्टी को कई तरह की चुनावीयों का सामना करना पड़ता है। अब वास्तव यह केजरीवाल की परीक्षा का समय है। अब उनको लोडरशिप का देना चाहते हैं। अब उनको एक बड़ी परीक्षा का समय है। इस परीक्षा की घंटी में वह बेहतर करते हैं तो दिल्ली और देश को बेहतर विकल्प देने की क्षमता रखेंगे, नहीं तो पार्टी को काफी समस्याओं का सामना करना पड़ेगा। इस परीक्षा की घंटी में वह बेहतर हो जाएगा। इस परीक्षा की घंटी में वह बेहतर हो जाएगा।

दिल्ली में भाजपा की प्रचंड जीत पर प्रदेश कार्यालय में जशन मनाते कार्यकर्ता।

मिल्कीपुर में चला योगी

का जादू, मिली बंपर जीत

टीम एकशन इंडिया

अयोध्या: अयोध्या में एक बार फिर मुख्यमंत्री

योगी अदिल्यान का

करिश्मा का अवाया है।

मिल्कीपुर उप चुनाव में

सिपहसुलाहों को मदद से

भाजपा की भारी मर्दों से

जिताकर योगी ने कुशल

संगठनकारी होना साधित

किया है। न तो पिछड़ा, न दलित और न ही

अल्पसंख्यक मर्दों को सहेजन में कामयाबी मिली।

टीम योगी ने राम मंदिर निर्माण के बाद भी

फैजाबाद लोकसभा सीट हारने की टीस को मिटाने

में कामयाबी पाइ है।

मिल्कीपुर में चला योगी

का जादू, मिली बंपर जीत

टीम एकशन इंडिया

अयोध्या

अयोध्या में एक बार फिर

मुख्यमंत्री

योगी अदिल्यान का

करिश्मा का अवाया है।

मिल्कीपुर उप चुनाव में

सिपहसुलाहों को मदद से

भाजपा की भारी मर्दों से

जिताकर योगी ने कुशल

संगठनकारी होना साधित

किया है। न तो पिछड़ा, न दलित और न ही

अल्पसंख्यक मर्दों को सहेजन में

कामयाबी मिली।

टीम योगी ने राम मंदिर निर्माण के बाद भी

फैजाबाद लोकसभा सीट हारने की टीस को मिटाने

में कामयाबी पाइ है।

मिल्कीपुर में चला योगी

का जादू, मिली बंपर जीत

टीम एकशन इंडिया

अयोध्या

अयोध्या में एक बार फिर





















